नाम — सन्तोष कुमार प्रजापति

मो0नं0 — 9151703775

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका

भूमिका– निरंतर बढ़ रही जनसंख्या को देखते हुए सतत विकास का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है निरंतर संसाधनों का अंधाधुंध उपयोग से निरंतर विकास या सतत विकास पर बड़ा प्रभाव पड़ता है इस से आने वाली पीढ़ियों हमारी संकट में आ सकती हैं।

सतत विकास की परिभाषा–

सतत विकास वह प्रक्रिया है जिसमें मानो अपनी जरूरत की वस्तुओं का उचित उपयोग करें परंतु आने वाली पीढ़ी पर किसी भी प्रकार का संकट ना हो सतत विकास कहलाता है।

आजकल अंधाधुन्ध संसाधनों का उपयोग करके भविष्य में आने वाली पीढ़ी को संकट में ला रहे हैं इससे मानव जीवन संकट में हो सकता है सतत का अर्थ है– लगातार।

सतत विकास के लक्ष्य–

सतत विकास का लक्ष्य ऐसी प्रक्रिया से है जिसमें संसाधनों का उचित उपयोग करें जिससे भविष्य में पीढ़ियों को कोई परेशानी ना हो राजस्थान खबर हमारे पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा था सतत विकास मानव का एक महत्वपूर्ण हथियार है।

सतत विकास के महत्वपूर्ण लक्षण निम्न प्रकार हैं–

1. पर्यावरण में सुधार
2. प्राकृतिक वनों का विकास
3. जन्म दर पर विकास की रोक
4. युवाओं को शिक्षित करने का विकास

सतत विकास की आवश्यकता क्यों है?

सतत विकास की बहुत आवश्यकता है क्योंकि सतत विकास बहुत ही महत्वपूर्ण है मानव का सतत संसाधनों का उचित मात्रा में उपयोग ना होने से मानव जीवन का भविष्य की पीढ़ियां संकट में आ सकती हैं निरंतर या सतत जन्म दर की बढ़ोतरी होती रही तो भी मानव जीवन में आर्थिक और बहुत सारी परेशानियां आ सकती हैं।

इन सारी चीजों को देखते हुए सतत विकास का महत्वपूर्ण योगदान है सतत विकास से जनसंख्या को कम तो नहीं किया जा सकता है लेकिन सतत बनाया जा सकता है।

सतत विकास से संसाधनों का उचित उपयोग किया जा सकता है जिससे हमारी और सारे मानव जीवन का भविष्य संकटग्रस्त से बच सकता है।

सतत विकास का महत्व–

सतत विकास के संसाधनों का सही से या मानव उपयुक्त की संसाधन का उपयोग कर संसाधन को बचाया जा सकता है सतत विकास से पर्यावरण प्रदूषण वायु प्रदूषण जल प्रदूषण को भी शतक बनाया जा सकता है सतत का अर्थ है– लगातार

सतत विकास से औद्योगिक की पर नियंत्रण किया जा सकता है इससे औद्योगिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास बना रहेगा मानव का सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान है मानो कि आने वाली पीढ़ी भी सतत विकास से ज्यादा या लगातार जो मानव का सिस्टम है वह बना रहेगा। सतत विकास में किसी भी क्षेत्र का उचित विकास किया जा सकता है सतत विकास का लक्ष्य ही है संसाधनों मानव की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना परंतु यह क्रिया लगातार बनी है।

उपसंहार– सतत का सामान्य अर्थ है लगातार

सतत विकास से संसाधनों का उचित उपयोग किया जा रहा है जिससे आने वाली पीढ़ी पर संकट से बचा जा सकता है सतत विकास हर एक देश को करना चाहिए यही हर एक देश की समझ भी रहती है। सतत विकास का लक्ष्य संसाधनों उचित उपयोग करना।

जिससे संसाधनों की पूर्ति लगातार किया जा सके और किसी भी प्रकार का क्षति ना हो। सतत विकास से मानव निरंतर उन्नति कर रहा है और उस पर किसी भी प्रकार का संकट नहीं है।